

शोल *m. n.* natura, indoles. BH. 6.16. SA. 6.43. *praesertim*  
bona indoles, bona vitae ratio, boni mores, virtus. IN. 4.  
7. BR. 2.27. N. 12.26. 16.24. 19.13.19. SA. 2.20. — *In*  
*fine comp. BAH.* studium, voluntas, libido; *e. c.* मृगया-  
शोल venandi voluptatem, venandi studium habens, ve-  
nationi deditus. SAK. 27.8. *infr.* (Cf. slav. *sila vis.*)  
शोलवत् (a praec. s. वत्) bonâ indole praeditus. RAGH.  
10.71.

पात्र  $m_1$ , पृ.

**प्रुक** *m.* *psittacus.*

**शुक्र** (r. शुच् s. र) 1) *m.* Planeta Venus *vel* ejus moderator, *Bhrigūs filius, Daityorum praceptor.* 2) *m.* nomen mensis, Aprilis - Maius. H. 1. 10. 3) *n.* semen virile. **МАН.**  
1. 2434.

ग्रुत्ता (r. 2. ग्रुच् s. ल) 1) albus. SA. 1.19. 2) *m.* mensis dimidium, quo luna crescit. BH. 8.24.

1. प्रुच् 1. *P. interdum* *A.* dolere, moerere, lugere, miserari  
 (Praet. mltf. अशोचिषम् et अश्युचम्). N. 12.73.:  
 समाश्वसिहि मा शुचः; BH. 16.5.: मा शुचः. *C. acc.*  
 N. 8.24.: शोचन् नलन् नृपम्; 11.11.: न शोचाम्य अ-  
 हम् अत्मानम्...कथन् तु भवितास्य एक इति त्वान्  
 नृप शोचिमि (शोचिमि pro शोचामि, ut videtur, metri  
 causā, cf. रोदिमि etc. gr. 354.); 11.22.; 15.12.: काम्  
 एनां शोचसे नित्यम्. — *Caus.* 1) moerore afficere.  
 MAH. 4.581.: शोचयति माम्. 2) *i. q. primit.* MAH. 1.  
 5649.: शोचयन् प्रेतकार्याणि चकार. (Cf. 2. कुच्, कु-  
 छु, gr. κωκώνω, lith. kauk-iu ululo; fortasse hib. caoine  
 «cry or lamentation for the dead, bewailing, mourning»  
 = शोचन्.)

c. मनु lugere, miserari. N. 15.12. Bh. 2.11.25. — Caus.  
id. MAH. 2.9524.

c. १८८ i. q. simpl. MAH. 1.4025. 3. 13656.

स ए प्राप्ति मन् *id.* MAH. 1.3229.: से 'ह

देवयानि न त्वादृशो मर्त्यम् अनुप्रशोचते

२. श्रुच् ४. P. A. facere. In atri. वाता एव पूर्वोत्तरे अन्तर्मुखी।

c. ଅପ in dial. *Ved.* Intens. ex ung. RIGV. 37.1.. ଅପ  
ନ: ଶୋଷୁଚଦ୍ର ଅଘମ-

c. श्रा in dial. *Vēd.* collustrare. RIGV. 97. 1.: शुश्राद्य श्रा  
रयेम् (v. gr. min. ed. 2. 389<sup>2</sup>).  
शुचि (r. 2. शुच् s. इ) 1) purus, albus. IN. 5.62. 2) m. pla-  
neta Venus aut ejus moderator. 3) m. nomen mensis  
(Maius - Junius). H. 1.10.

शुचिस्मित (BAH. e praec. et स्मित risus) purum risum habens. IN. 5. 1.

१. शठ १. *p.* (विराम) claudicare. (Cf. शण्ठ, क्षण्ठ, खोट,

2. खुट्टा, 1. खोट्टा, खोर्, खोलू, gr.  $\chi\omegaλ\circς$ .)

2. **श्रुठ** 10. p. (ग्रालस्ये) *pigrum esse.* Cf. 2. श्राठः.  
 1. **श्रुण्ठ** 1. p. (श्रोषणे क्र. व्योरने v.; *scribitur श्रुठः*, gr.  
<sup>110<sup>a</sup>) *siccari* (cf. ग्रास); *claudicare* (cf. 1. ग्रास).</sup>

३ पाठ १० प. (सिक्करि: scribitur पाठ) siccari. Cf. पाठ :

2. মুহাম্মদ আব্দুল হাতিবা, সেন্টারল মুসলিম প্রকাশনা প্রতিষ্ঠান  
মার্ক্য এ. মার্ক্য।

प्राचीनत *m.* (e प्राची एt मृत्ति) i. q. मृत्तिपः SAK. 108. 1.

पूरिति f. (r. प्राप्ति s. नि) puritas.

**ETI** A. e. intendum et purificari. Iustrari. **MAN. 3**. 132: 1.

४. *P. intermedium* x. *pumicarii*, Iustrari. MAN.S. 152. 11-40

हृहस्तावृश्रसृष्टादृधा शुद्धरणं वा शुद्ध्यतः, ११.३८.  
अक्रामतः कृतम् पापम् वेदान्म्यासेन शुद्ध्यति; HIT.  
126.: न वारिणा शुद्ध्यतिचा न्तरात्मा; N. 8.18.: न हि  
मे शुद्ध्यते भावः. — *Part. pass.* शुद्ध (v. euphon. r.  
83. d.) purificatus, purus. N. 19.14. DR. 7.7. — *Caus.*  
purificare, lustrare. N. 17.10.: सुनन्दा शोधयामास पि-  
पुप्रच्छादनम् मलम्. (Fortasse शुद्ध e श्राद्ध, debilitato  
अ in उ, cf. शुन्ध, चन्द्र, शुभ्, heb. *cuidh* «clean, pu-  
re», gr. *καθαιρώ*, *καθαρός*, lith. *cz'ys-ta-s* *purus* =  
शुद्धस् sicut zend. *აღმავ* *bas'ta* ligatus = ब्रह्म, v. gr.  
comp. 102.; *cz'ystybe* puritas, castitas, *cz'ystiju* purifico;  
boruss. vet. *skys-tan* (acc.) *purum*, *castum* = शुद्धम्;  
slav. ЧИСТЬ *čis-ti*, lat. *cas-tus*. Vid. Pott. I. 252.)

c. पूरि *Caus.* purificare. R. Schl. II. 31. 25.

c. वि *i. q. simpl.* MAN. 5.61. — विष्णुष् purificatus, purus. BH. 18.51. — *Caus.* purificare. MAH. 3.15979.

c. सम् *id.* संशुद्ध purificatus, purus. Bh. 6.45. — *Caus.*  
purificare. MAN. 7.185.

**मृत्** v. **मृत्** (gr. 225.)